Government College Chamba (H.P.)

3.2.2.1 Seminar/ conferences/ workshops conducted by the institution during last five years

HINDI DIVAS -2016-2017

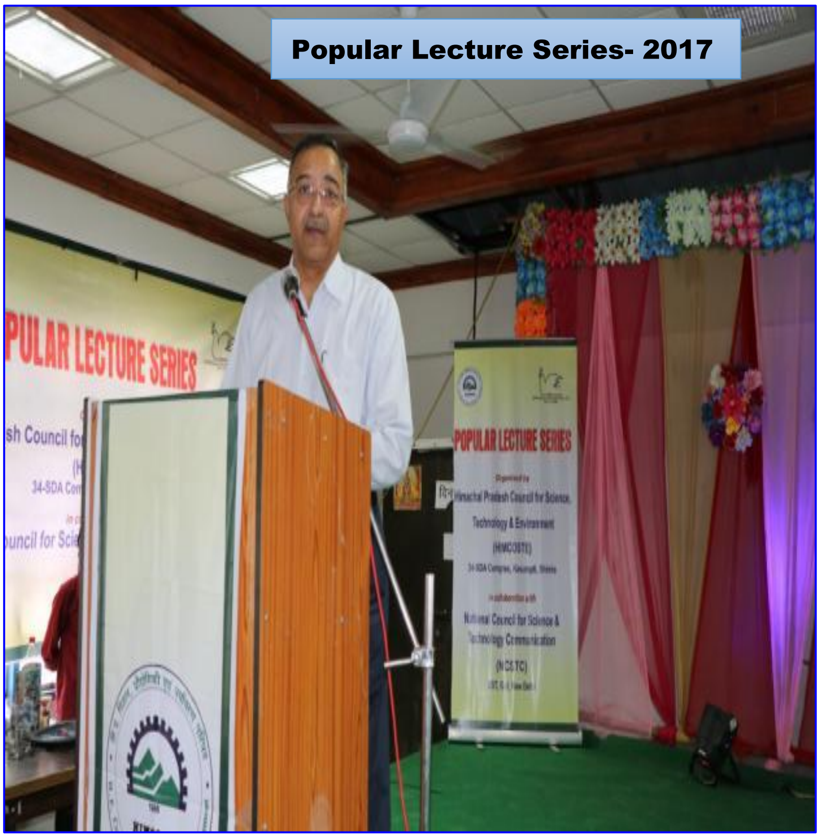

Popular Lecture Series- 2017

Popular Lecture Series- 2016-17

Popular Lecture Series- 2017-18

Hindi Divas- 2017-18

Hindi Divas- 2017-18

Hindi Divas- 2018-19

Hindi Divas- 2018-19

Popular Lecture Series- 2018-19 -

Popular Lecture Series- 2018-19

Cultural meet - 2019

Cultural meet - 2019

Cultural meet - 2019

Kavi Sammelan- 2019

SDG-International Conference-

SDG- International Conference

FOLDSCOPE WORKSHOP

For Teachers and Students of

Aspirational Districts of Punjab, Jammu & Kashmir, Haryana, UK and Himachal pradesh

November 25-26, 2021

Government College Chamba
Himachal Pradesh

ORGANIZED BY

DEPARTMENT OF BIOTECHNOLOGY, MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOGY, GOVERNMENT OF INDIA

IN ASSOCIATION WITH

BIOTECH CONSORTIUM INDIA LIMITED (BCIL), NEW DELHI & GOVERNMENT COLLEGE CHAMBA, H.P

फोल्ड स्कोप के इतिहास, कार्यविधि और इसके फायदों के बारे में बताया

देशभर के 40 शिक्षकों और 100 विद्यार्थियों ने लिया कार्यशाला में हिस्सा

संवाद न्यूज एजेंसी

महाविद्यालय चंबा में फोल्ड स्कोप कार्यक्रम के समापन समारोह के बाद स्कूली बच्चे और स्टाफ एक साथ। -संवाद

चंबा। राजकीय महाविद्यालय चंबा में भारत के पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर के आकांक्षात्मक जिलों के अध्यापकों, विद्यार्थियों के लिए आयोजित फोल्ड स्कोप कार्यशाला का शुक्रवार को समापन हो गया।

कार्यशाला का आयोजन बायोटेक्नोलॉजी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में बायोटेक कंस्टोरियम इंडिया लिमिटेड नई दिल्ली और राजकीय महाविद्यालय चंबा के सहयोग स्वरूप किया गया। समापन समारोह के दौरान राजकीय महाविद्यालय चंबा के प्राचार्य डॉ. शिव दयाल मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान डीबीटी के वरिष्ठ प्रबंधक डॉ. विनोद कुमार और एनसीसीएस के वैज्ञानिक डॉ. प्रवीण राही ने फोल्ड स्कोप के इतिहास, इसके कार्य करने की विधि और इसके फायदों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। अपने संबोधन में प्राचार्य ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के बायो टेक्नोलॉजी विभाग का इस तरह की बेहतरीन कार्यशाला का आयोजन चंबा महाविद्यालय में करने के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक से बनने वाले फोल्ड स्कोप माइक्रो स्कोप को बनाने की तकनीक और कार्यप्रणाली को समझाने और सिखाने वाली कार्यशाला निःसंदेह अध्यापकों, विद्यार्थियों के लिए लाभदायक सिद्ध होने वाली है।

कार्यशाला के दूसरे दिन भारत के आकांक्षात्मक जिलों फिरोजपुर, मोगा, बारामूला, कुपवाड़ा, मेवात, हरिद्वार, उधम सिंह नगर, चंबा के 40 अध्यापकों सहित डीएवी चंबा, केंद्रीय विद्यालय करियां, चंबा मिलेनियम पब्लिक स्कूल लबकाना और महाविद्यालय चंबा के 100 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यशाला में फोल्ड स्कोप को जोड़ना और कार्यशैली को सीखा। समापन समारोह के दौरान मुख्यातिथि ने भारत के विभिन्न राज्यों के आकांक्षात्मक जिलों के प्रशिक्षु अध्यापकों, प्रशिक्षकों और प्रतिभागी अध्यापकों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यशाला के दौरान आयोजकों में डॉ. विनोद, डॉ. प्रवीण राही, पांडिया रंजन, डॉ.अरुण देव शर्मा, राहुल, सुजाता अधाना, स्वाति वर्शनी, शर्ली और आशना ने प्रशिक्षक के रूप में सेवाएं देते हुए सभी को फोल्ड स्कोप के बारे में प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर अध्यापकों में प्रोफेसर राकेश राठौर, डॉ. ज्योतिंद्रा ठाकुर, आदि उपस्थित रहे। संवाद

प्रतिभागी अध्यापकों को प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित

चम्बा कालेज में दो दिवसीय फोल्डस्कोप कार्यशाला का समापन

चम्बा : चम्बा कालेज में आयोजित दो दिवसीय फोल्डस्कोप कार्यशाला के दौरान प्राध्यापकों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित करते कालेज स्टाफ सदस्य व कार्यक्रम के दौरान उपस्थित विभिन्न राज्यों के आकांक्षात्मक जिलों के प्रशिक्षु व प्राध्यापक। (कुलदीप)

चम्बा, 26 नवम्बर (नीलम): चम्बा कालेज में पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश व जम्मू-कश्मीर के आकांक्षात्मक जिलों के अध्यापकों व विद्यार्थियों के लिए आयोजित दो दिवसीय फोल्डस्कोप कार्यशाला का शुक्रवार को समापन हुआ। कार्यशाला का आयोजन बायोटैक्नोलॉजी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में बायोटैक कंस्टोरियम इंडिया लिमिटेड नई दिल्ली व चम्बा कालेज के सहयोग स्वरूप किया गया।

इस दौरान चम्बा कालेज के प्राचार्य डा. शिवदयाल मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान डी.बी.टी. के वरिष्ठ प्रबंधक डा. विनोद कुमार व एन.सी.सी.एस. के वैज्ञानिक डा. प्रवीण राही ने फोल्डस्कोप के इतिहास, कार्य करने की विधि व इसके फायदों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया।

प्राचार्य ने कहा कि इस तरह की आधुनिक तकनीक से फोल्डस्कोप माइक्रोस्कोप बनाने की कार्यप्रणाली को समझाने व सिखाने वाली कार्यशाला अध्यापकों व विद्यार्थियों के लिए लाभदायक सिद्ध होने वाली है।

उन्होंने कार्यशाला के आयोजन के लिए आयोजकों का आभार व्यक्त किया। दूसरे दिन की कार्यशाला के दौरान भारत के आकांक्षात्मक ज़िलों फिरोज़पुर, मोगा, बारामुला, कुपवाड़ा, मेवात, हरिद्वार, उधम सिंह नगर व चम्बा के 40 अध्यापकों सहित डी.ए.वी. चम्बा, केंद्रीय विद्यालय करियां व चम्बा मिलेनियम पब्लिक स्कूल लबकाना व चम्बा कालेज के 100 विद्यार्थियों ने भाग लिया। समारोह के दौरान मुख्यातिथि ने प्रशिक्षु प्राध्यापकों, प्रशिक्षकों व मेजबान कालेज के प्रतिभागी, प्राध्यापकों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

कार्यशाला में डा. विनोद, डा. प्रवीण राही, पांडिया रंजन, डा. अरुणदेव शर्मा, राहुल, सुजाता अधाना, स्वाति वर्शनी, शर्ली व आशना ने प्रशिक्षक के रूप में सेवाएं देते हुए सभी को फोल्डस्कोप के बारे में प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर प्रोफैसर राकेश राठौर, डा. ज्योतिद्रा ठाकुर, प्रोफैसर रघुवीर सिंह, डा. हेमंत, डा. मनेश, प्रोफैसर अविनाश, डा. तेज सिंह, डा. पूनम, प्रोफैसर सुमित, डा. चमन, डा. आशीष ठाकुर, डा. सुनील शर्मा, डा. शैली महाजन, डा. विदुषी शर्मा व प्रोफैसर वीरेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

District Level Seminar on NEP-2020

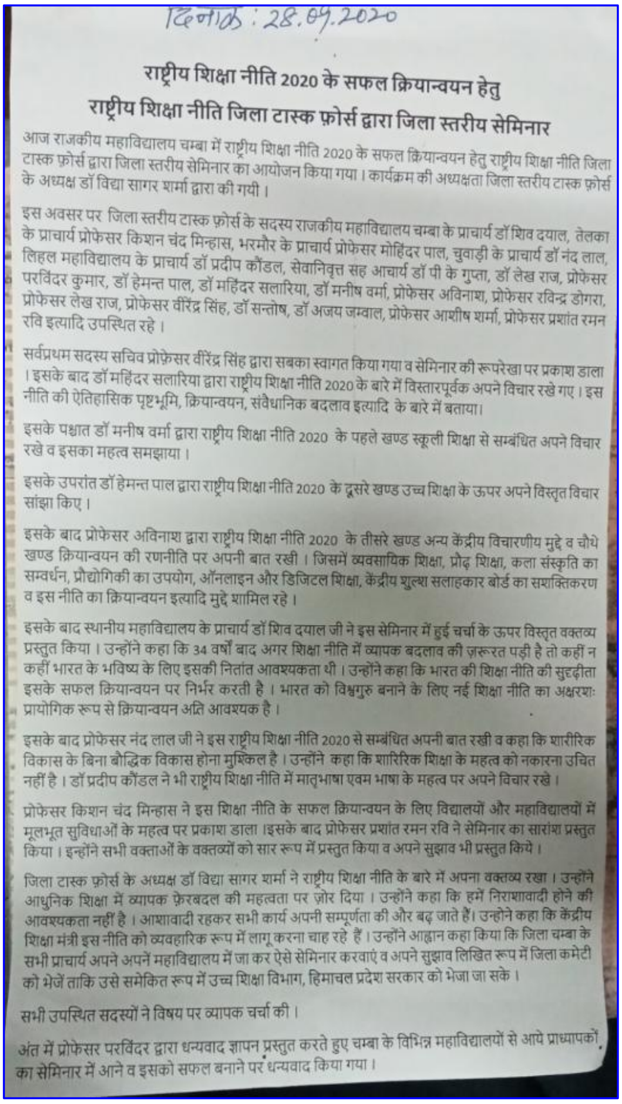

दिनांक : 28.09.2020

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सफल क्रियान्वयन हेतु
राष्ट्रीय शिक्षा नीति जिला टास्क फ़ोर्स द्वारा जिला स्तरीय सेमिनार

आज राजकीय महाविद्यालय चम्बा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के सफल क्रियान्वयन हेतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति जिला टास्क फ़ोर्स द्वारा जिला स्तरीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला स्तरीय टास्क फ़ोर्स के अध्यक्ष डॉ विद्या सागर शर्मा द्वारा की गयी।

इस अवसर पर जिला स्तरीय टास्क फ़ोर्स के सदस्य राजकीय महाविद्यालय चम्बा के प्राचार्य डॉ शिव दयाल, तेलका के प्राचार्य प्रोफेसर किशन चंद मिन्हास, भरमौर के प्राचार्य प्रोफेसर मोहिंदर पाल, चुवाड़ी के प्राचार्य डॉ नंद लाल, लिहल महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ प्रदीप कौंडल, सेवानिवृत्त सह आचार्य डॉ पी के गुप्ता, डॉ लेख राज, प्रोफेसर परविंदर कुमार, डॉ हेमन्त पाल, डॉ महिंदर सलारिया, डॉ मनीष वर्मा, प्रोफेसर अविनाश, प्रोफेसर रविन्द्र डोगरा, प्रोफेसर लेख राज, प्रोफेसर वीरेंद्र सिंह, डॉ सन्तोष, डॉ अजय जम्वाल, प्रोफेसर आशीष शर्मा, प्रोफेसर प्रशांत रमन रवि इत्यादि उपस्थित रहे।

सर्वप्रथम सदस्य सचिव प्रोफ़ेसर वीरेंद्र सिंह द्वारा सबका स्वागत किया गया व सेमिनार की रूपरेखा पर प्रकाश डाला। इसके बाद डॉ महिंदर सलारिया द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के बारे में विस्तारपूर्वक अपने विचार रखे गए। इस नीति की ऐतिहासिक पृष्टभूमि, क्रियान्वयन, संवैधानिक बदलाव इत्यादि के बारे में बताया।

इसके पश्चात डॉ मनीष वर्मा द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के पहले खण्ड स्कूली शिक्षा से सम्बंधित अपने विचार रखे व इसका महत्व समझाया।

इसके उपरांत डॉ हेमन्त पाल द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दूसरे खण्ड उच्च शिक्षा के ऊपर अपने विस्तृत विचार सांझा किए।

इसके बाद प्रोफेसर अविनाश द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तीसरे खण्ड अन्य केंद्रीय विचारणीय मुद्दे व चौथे खण्ड क्रियान्वयन की रणनीति पर अपनी बात रखी। जिसमें व्यवसायिक शिक्षा, प्रौढ़ शिक्षा, कला संस्कृति का सम्वर्धन, प्रौद्योगिकी का उपयोग, ऑनलाइन और डिजिटल शिक्षा, केंद्रीय शुल्श सलाहकार बोर्ड का सशक्तिकरण व इस नीति का क्रियान्वयन इत्यादि मुद्दे शामिल रहे।

इसके बाद स्थानीय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ शिव दयाल जी ने इस सेमिनार में हुई चर्चा के ऊपर विस्तृत वक्तव्य प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि 34 वर्षों बाद अगर शिक्षा नीति में व्यापक बदलाव की ज़रूरत पड़ी है तो कहीं न कहीं भारत के भविष्य के लिए इसकी नितांत आवश्यकता थी। उन्होंने कहा कि भारत की शिक्षा नीति की सुद्दढ़ीता इसके सफल क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए नई शिक्षा नीति का अक्षरशः प्रायोगिक रूप से क्रियान्वयन अति आवश्यक है।

इसके बाद प्रोफेसर नंद लाल जी ने इस राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से सम्बंधित अपनी बात रखी व कहा कि शारीरिक विकास के बिना बौद्धिक विकास होना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि शारिरिक शिक्षा के महत्व को नकारना उचित नहीं है। डॉ प्रदीप कौंडल ने भी राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषा एवम भाषा के महत्व पर अपने विचार रखे।

प्रोफेसर किशन चंद मिन्हास ने इस शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन के लिए विद्यालयों और महाविद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके बाद प्रोफेसर प्रशांत रमन रवि ने सेमिनार का सारांश प्रस्तुत किया। इन्होंने सभी वक्ताओं के वक्तव्यों को सार रूप में प्रस्तुत किया व अपने सुझाव भी प्रस्तुत किये।

जिला टास्क फ़ोर्स के अध्यक्ष डॉ विद्या सागर शर्मा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बारे में अपना वक्तव्य रखा। उन्होंने आधुनिक शिक्षा में व्यापक फ़ेरबदल की महत्वता पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि हमें निराशावादी होने की आवश्यकता नहीं है। आशावादी रहकर सभी कार्य अपनी सम्पूर्णता की और बढ़ जाते हैं। उन्होने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री इस नीति को व्यवहारिक रूप में लागू करना चाह रहे हैं। उन्होंने आह्वान कहा किया कि जिला चम्बा के सभी प्राचार्य अपने अपनें महाविद्यालय में जा कर ऐसे सेमिनार करवाएं व अपने सुझाव लिखित रूप में जिला कमेटी को भेजें ताकि उसे समेकित रूप में उच्च शिक्षा विभाग, हिमाचल प्रदेश सरकार को भेजा जा सके।

सभी उपस्थित सदस्यों ने विषय पर व्यापक चर्चा की।

अंत में प्रोफेसर परविंदर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए चम्बा के विभिन्न महाविद्यालयों से आये प्राध्यापकों का सेमिनार में आने व इसको सफल बनाने पर धन्यवाद किया गया।

दिनांक : 30.09.2020

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवम प्रत्यायन परिषद (नैक) विषय सम्बंधित एक राष्ट्रीय वेबिनार

आज राजकीय महाविद्यालय चम्बा में पूर्व प्रस्तावित कार्यक्रमानुसार राष्ट्रीय मूल्यांकन एवम प्रत्यायन परिषद (नैक) विषय सम्बंधित एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसमें नैक पीयर कमेटी, यू जी सी के सदस्य, अत्यंत अनुभवी एवम प्रतिष्ठित शिक्षाविद प्रोफेसर डॉ नागनाथ धर्माधिकारी (महाराष्ट्र) ने मुख्यातिथि व मुख्यवक्ता के रूप में शिरकत की। इस वेबिनार का आयोजन गूगल मीट के माध्यम से किया गया।

इस वेबिनार में हिमाचल प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालयों, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश, तकनीकी विश्वविद्यालय, व अन्य राज्यों के प्रबुद्धजन, सहायक प्रोफेसर , सह प्रोफेसर, प्रोफेसर व प्राचार्यों ने प्रतिभागियों के रूप में शिरकत की व वेबिनार के माध्यम से लाभान्वित हुए।

सर्वप्रथम आयोजकों में नैक टीम समन्वयक डॉ मनेश वर्मा व वेबिनार के संचालक प्रोफेसर अविनाश ने वेबिनार की रूपरेखा प्रस्तुत की। इसके उपरांत स्थानीय एवम मेजबान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ शिव दयाल जी ने मुख्यवक्ता व वेबिनार में जुड़े सभी प्रतिभागियों का औपचारिक स्वागत किया।

इसके पश्चात प्रोफेसर डॉ नागनाथ धर्माधिकारी ने अपने विचार रखे। उन्होंने नैक मूल्यांकन एवम प्रत्यायन सम्बंधित प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय व विश्वविद्यालयों के मूल्यांकन हेतु विभिन्न प्रकार की जानकारियां उपलब्ध करवानी पड़ती है, कागजात बनाने पड़ते है, समय-समय पर जानकारी साझा करनी पड़ती है। उनके मुताबिक मूल्यांकन करवाने हेतु पिछले लगभग 5 वर्षों का अकादमिक कार्यकलापों, सह शिक्षण गतिविधियां, खेलकूद, शिक्षकवर्ग, सह-शिक्षण कर्मचारियों, शिक्षार्थियों इत्यादि का विस्तृत लेख-जोखा प्रस्तुत करना पड़ता है व टीम उक्त शैक्षणिक संस्थान का दौरा कर के वस्तुस्थिति का जायजा लेती है।

जुड़े हुए सभी प्रतिभागियों ने इस स्तर का भरपूर लाभ उठाया, प्रश्न पूछे व सम्भावित उत्तर मुख्यवक्ता से हासिल किये। अंत में वेबिनार के संचालक प्रोफेसर अविनाश द्वारा मुख्यवक्ता डॉ नागनाथ धर्माधिकारी, व सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के अध्यापकों में प्रोफेसर परविंदर कुमार, डॉ हेमन्त पाल, डॉ मनेश वर्मा, प्रोफेसर अविनाश, डॉ चमन सिंह, डॉ तेज सिंह डॉ जयश्री, प्रोफेसर सुमित व तकनीकी सहायक के रूप में रविन्द्र सिंह मौजूद रहे।

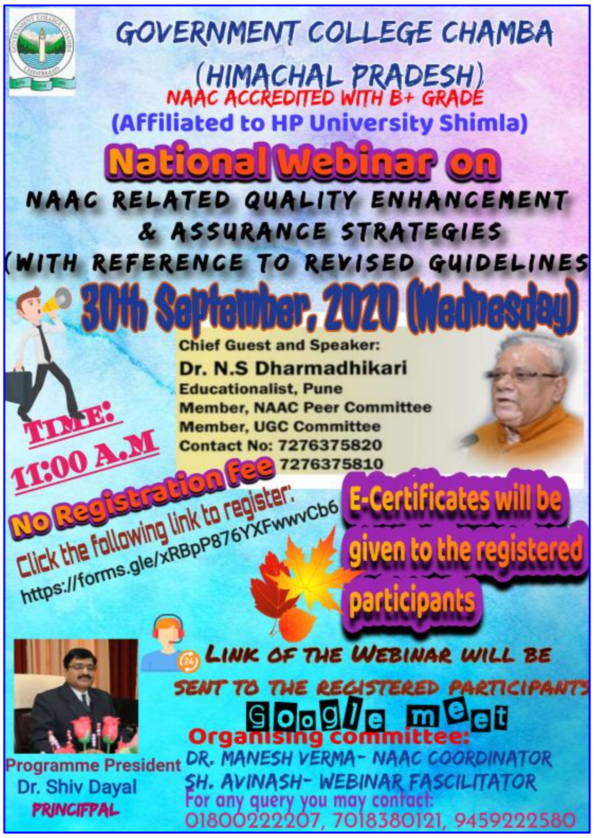

National Webinar on NAAC related quality enhancement strategies

National Seminar on Himalayan Tourism & Sustainable Development

Internet to Innernet - Online Motivational and Integrated Amrita Meditation Workshop for students/teachers of Chamba district colleges

Welcoming All students and teachers of **Colleges of Chamba District** to this exclusive online training workshop on Integrated Amrita Meditation Technique **organized by Amrita Vishwa Vidypeetham in collaboration with Dept of Higher Education, Himachal**. This workshop is specifically designed to increase concentration, focus and to cope up with day to day stress..

Date: 29th Nov, 10:00AM-11:30AM
Zoom Link: https://bit.ly/amritanov29

Narinder Anand
National Coordinator
Youth Empowerment Group
Amrita Vishwa Vidyapeetham
www.amrita.edu
NAAC A++ Certified

11:26 AM

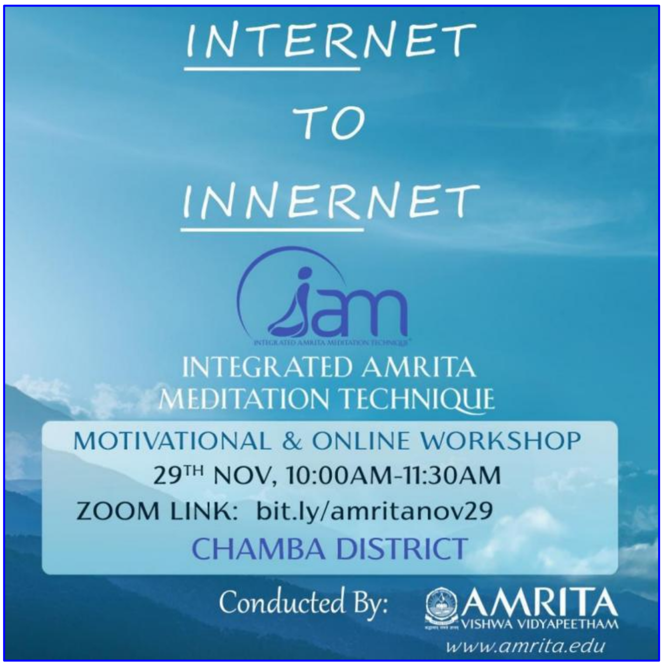

Distt. Chamba (H.P.)
Conference Hall
created under
Rashtriya Uchchatar Shiksha Abhiyan (RUSA)
(Infrastructure Grant to Colleges)

NAAC Accredited "B+ Grade"
Government College Chamba,
Distt. Chamba (H.P.)
Conference Hall
created under
Rashtriya Uchchatar Shiksha Abhiyan (RUSA)
(Infrastructure Grant to Colleges)

3 days workshop on NAAC related Quality Enhancement & Assurance Strategies

3 days workshop on NAAC related Quality Enhancement & Assurance Strategies

GOVERNMENT COLLEGE CHAMBA (H.P.)
WORKSHOP ON NAAC RELATED QUALITY
ENHANCEMENT & ASSURANCE STRATEGIES
Resource Person
GPS Map
Camera Lite
H498+4CV, Sultanpur, Chamba, Himachal Pradesh 176314, India
Latitude
32.5679048°
Longitude
76.1158998°
Local 11:51:46 AM
GMT 06:21:46 AM
Altitude 790.9 meters
Friday, 24-09-2021